

तुलसी
कॉमिक्स

संख्या 121 मूल्य 6.00

डैक्काला की तबाही





ड्रैक्युला

की

तबाही

कभी राजा-महाराजाओं की शान रही वह शानदार हवेली आज मासूम बच्चों के स्कूल व हॉस्टल 'द चाइल्ड' के नाम से प्रसिद्ध हो चुकी थी।



कथा-तरुण कुमार वांही चित्र-मैक्स संवाद-प्रमिला जैन

भारत में चेरापूंजी की तरह यहाँ भी वर्षा का कोई समय न था। कभी भी हो सकती थी। कभी भी तूफान आ सकते थे।

एक तूफान ऐसा भी था जो 'द चाइल्ड' की अंधेरे में डूबी इमारत की तरफ बढ़ रहा था।

तूफान बढ़ते हैं तो रास्ते खुद ब खुद खुल जाते हैं।

द चाइल्ड की प्रिंसिपल कुमारी साधना सिंह चौक पड़ी।

अरे! इस वक्त कौन है!

कौन है बाहर इस वक्त?

ड्रेक्युला की तबाही

दरवाजा खोलिए
प्रिंसिपल साहिबा।
हमें इसी वक्त
आपसे मिलना
है।

दरवाजा खुला-

कौन हैं आप
लोग ?

हमें इस
बच्चे को 'द
चाइल्ड' में
एडमिशन
करवाना है।

आप सुबह नौ
बजे....

यह कोई वक्त है मि.
रात के बारह बजे
रहे हैं।

जी नहीं।
हमारा
काम तो
शुरु ही
रात के
बारह बजे
से होता
है।

क्या मतलब ?

चौकीदार ने
आपको अंदर
कैसे आने
दिया !

ये मेरा ऑफिस
नहीं है। ये मेरा
बैडरूम...

आप... आप
फौरन मेरे कमरे
से निकल जाएं,
वरना शायद
आप सभी के
लिए अच्छा न
होगा।



ड्रेक्युला की तबाही

अनिष्ट की आशंका
से कु. साधना
घीरवती हुई
दरवाजे की
ओर भागी-

चौकीदार
चौकीदार

लेकिन

ही..ही..ही...

ओह!

उस खौफनाक स्त्री
के नुकीले भयानक
दांत साधना की गर्दन
में धंस गए।

ई॥॥॥॥॥

खरब

साधना की
घीरव बाहर
कड़कड़ाती
बिजली में
दबकर रह
गई।

अगली शाम-



घबराओ नहीं बेटे। यहाँ तुम्हारे कई और दोस्त भी हैं।

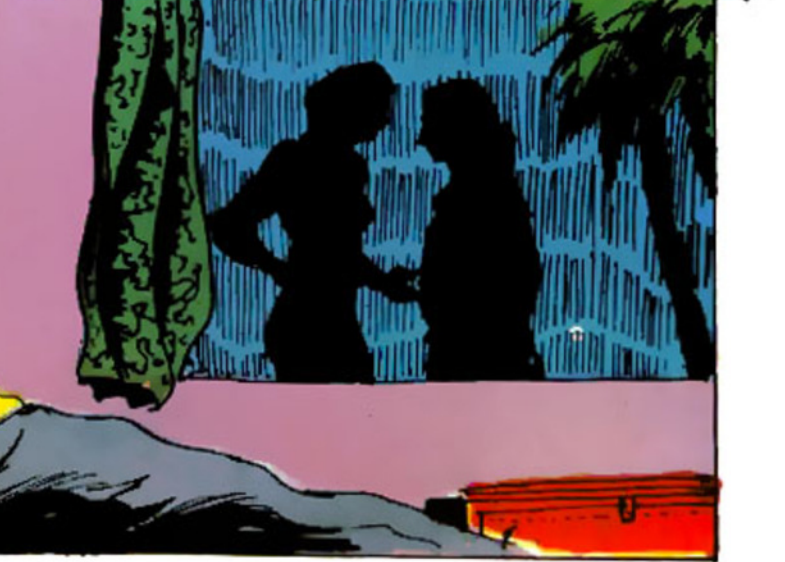


नहीं, मैं यहाँ नहीं रहूँगा फादर।



एंथोनी की निगाहों ने न जाने क्या जादू किया कि-

चर्च के छाड़ियान ने बारह बजने की सूचना दी-



स्वप्न देखते।
विकटर की
आंख एका-
एक खुल गई,
इसी पल उसकी
नन्ही आंख
खिड़की पर
दिखाई पड़
रहे सायों
पर अटक
गई-



ड्रेक्युला की तबाही

अचानक दोनों के चेहरों पर शैतानियत नाचने लगी -

जान पहले तुम शुरू करो।

भयानक ढंग से मुस्कुराते जान का मुँह विकटर की ओर बढ़ा..... इसी पल -

यह हमारा दूसरा शिकार है नीलोफर। इस इमारत में शिकार की कोई कमी नहीं है। हा.. हा.. हा..

ओफ्फ!

दूर हटो!

हिरण की तरह क्रोध कर भागा विकटर -

फादर, मदर बचाओ बचाओ।

वह भाग नहीं सकता जान। बाहर एंथोनी है।

लहू उगलती आंख से देखता जान - चीरव पड़ा -

नीलोफर पकड़ो उसे।

तड़ तड़ तड़ तड़ तड़



एंधोनी ने झपट
कर उसे दबोच
लिया और-

आसह!

उसी रात 'द चाइल्ड' के रूम
नम्बर 20 के बाहर-

आज जी
मर कर अपनी
प्यास बुझाना
नीलोफर!

दोनो धुँए की लकीर में बदल
गए-

धुँआ की होल
से भीतर प्रविष्ट हुआ-

और-

ताजा खून!
ही..ही..ही..

ध्यान रहे
नीलोफर
हमें उतना
ही खून
लेना है
जिससे
कि ये
मरे नहीं।



उसके
बाद
एक
दिन-



मैडम फ्रेंचना जल्दी से बोली-



इसे मेडिकल
रूम में ले चलो,
जल्दी।

मेडिकल आफिसर विलियम भी
राबर्ट की जाँच के बाद
चौंक पड़े-



इसे तो एनीमिया
हो गया है फ्रेंचना।
खून की कमी से
बेहोश हो
गया था
ये।

ड्रेक्युला की तबाही



जांच के बाद विलियम
बुरी तरह से चौंक
पड़ा-

एनीमिया! यह
भी खून की कमी
से बेहोश हो
गया है।



'द चाइल्ड' में एनीमिया
का खौफ छा गया।
टीचर्स की मीटिंग
बुला ली गई-

अब बात हृद
के बाहर होती जा रही है।
आखिर क्या रहस्य है बच्चों में
फैलती इस बीमारी का।



नहीं!

एनीमियाग्रस्त बच्चों की गर्दनी पर बने वे निशान क्या सिद्ध करते हैं।



मेरे ख्याल में इस मामले में हमें पुलिस की मदद लेनी चाहिए।



पुलिस के आने से बात इस इमारत की हद से बाहर चली जाएगी। पहले हम खुद ही इस रहस्य का पता लगाने की चेष्टा करें।



मैंने प्राइवेट डिटेक्टिव जॉन को इस केस की धानबीन के लिए बुलाया है। आइए मि. जॉन।

फिर साधना और जॉन की निगाहें मिलीं, लेकिन उनमें छिपी कूरता किसी को दिरवाई न पड़ सकी.



मीटिंग बरबस्त कर दी गई



कार की पिछली सीट पर फ्लोरेंस के साथ उपस्थित था विक्टर -

फ्लोरेंस आज मुझे 'द चाइल्ड' का वातावरण कुछ रहस्यमय लगा।

मैंने भी दो एक बच्चों को देखा था। सब बीमार से लग रहे थे।

प्रिंसिपल कु. साधना ने बिना कोई प्रश्न किये मुझे फौरन ही विक्टर को ले जाने की इजाजत दे दी।

उसकी बला की चमकती आंखें उफ! पहले दिन ऐसा न था।

शुक्र है, हम विक्टर को वापिस ले जा रहे हैं.... ड., डिसूजा....

कुछ कहती कहती चौंक पड़ी फ्लोरेंस -

कार रोको डिसूजा, विक्टर को कुछ ही रहा है।

डिसूजा...

ही.ही. ही..

ओह गॉड! इसे क्या हुआ!

उसी क्षण डिसूजा के पांव ब्रेक पर कस गए-

प्चीssईssssssss...

ड्रेक्युला की तबाही



फ्लोरेन्स की चीरख निकल गई -



फ्लोरेन्स विकटर सहित
कार से बाहर आ गिरी-



डिसूजा चीरवता हुआ बाहर
निकला-



विकटर छोड़ो, क्या
हुआ है तुम्हें....



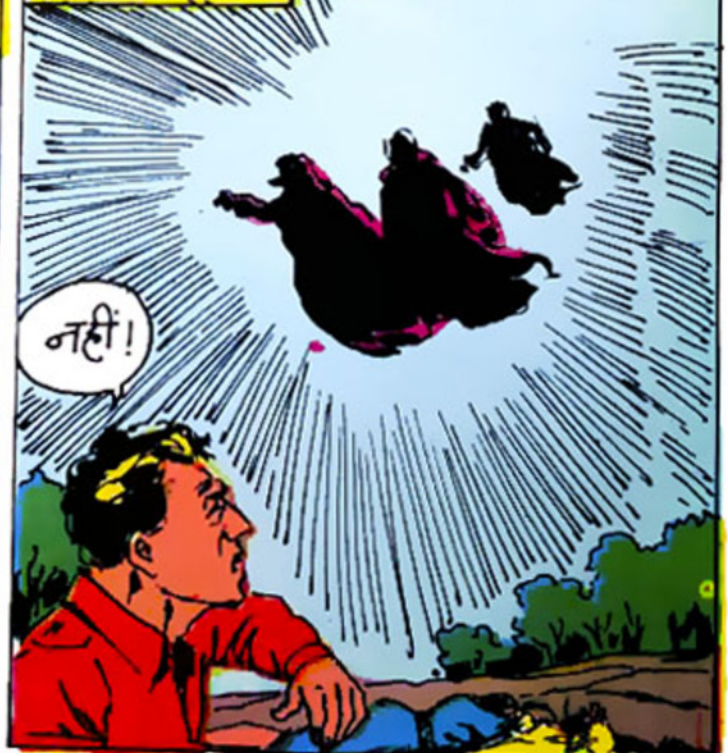
दोनों साथे हवा में लहराते हुए डिसूजा की तरफ बढ़े-



फ्लोरेंस का रक्त निचुड़ने के बाद विकटर के शरीर को एक झटका लगा और-



डिसूजा को अपनी मौत दिखाई देने लगी-



इक्कुला की तबाही

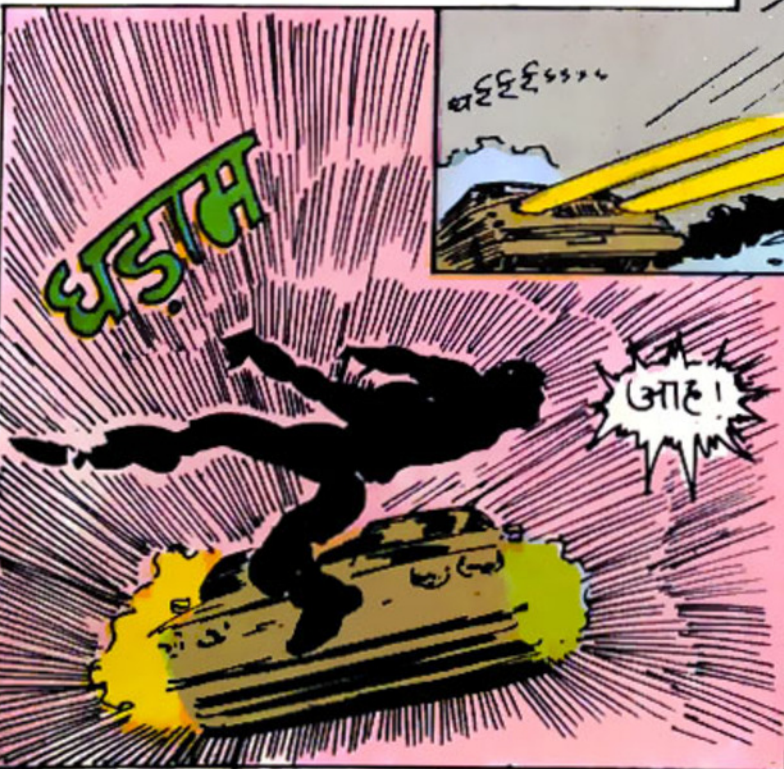
वह भागा-

अगर यहाँ रुका रहा
मैं तो ये तीनों शैतान
मेरा भी रबून पी
जाएंगे।



अचानक कार अपने
आप चल पड़ी-

ओह! नहीं यह
तो मेरी तरफ
आ रही है।



खूनी पिशाचों ने उसे धेर लिया-

ही.ही.ही

निचोड लो
इसका सारा
खून

नहीं।

और-

आ sssss ह

चपर

चपर

वह उससे अगली रात थी -

अरे! इस समय
ये बाहर गैलरी
में आहर कैसी!

रवट

स्विडकी का पट खोला डा.

विलियम ने-

यह तो जान है।

प्राइवेट डिटेक्टिव।

रात के बारह बजे
यह कम नं. 36 में
क्या करने जा
रहा है।

मुझे देखना होगा
कि वह अन्दर क्या
कर रहा है!



विलियम ने आंख की होल पर
सटा दी -



दूसरे ही पल उसके रोंगटे
खड़े हो गये -

उफ! यह
तो....



वह प्रिंसिपल कु. साधना के कक्ष
की ओर भागा -



ओह आप, क्या
बात है? इस
वक्त आप
यहाँ?

मैडम
रूम नं. 36!
आप मेरे
साथ
चलिए...



दोनों ने कम नं 36 में प्रवेश किया

खूनी पिशाच..
खूनी डैम्बुला !



तो तू है वो
नरपिशाच
अब मैं तुझे
नहीं छोड़ूंगा।



मैं तेरा खून
कर दूंगा।



विलियम के गाल पर
जबरदस्त थप्पड़ पड़ा-





विलियम चीख पड़ा-

भागो, ये दोनों
डैक्युला हैं। खूनी
पिशाच।

ही..ही..
ही..



ही..ही..ही....
आज तबाही
मचेगी।



सब कमरे से निकल भागे

भागो... खूनी
पिशाच...



विकटर का शरीर छोड़ कर
एंथोनी बाहर आ गया-

ही..ही..ही..



एंथोनी नीचे गिरे एण्डी पर दूट
पड़ा-

ही..ही..ही

आह! नहीं,
विलियम सर
बचाइए।



डा. विलियम ने क्रास एंडोनी को छुड़ा दिया -



उधर जान और नीलोफर यागल हो चुके थे -



एण्डी के साथ भागता डा. विलियम चीरब पड़ा -



डा. विलियम ने एक-एक भरपूर ठोकर जान और नीलोफर की पीठ पर जड़ दी -



बालक डैक्सुला एंथोनी ने पुनः
एण्डी को जकड़ लिया-



डा. विलियम ने झपट कर एंथोनी
की गर्दन दबोच ली, और-



एंथोनी ने छूटने का भरपूर
प्रयास किया लेकिन वह
धुँए में बदलने लगा -



एक तेज-चीख के साथ
एंथोनी धुँए में बदल कर
समाप्त हो गया -

यह देख जॉन व नीलोफर क्रोध
से चीखने लगे-

इस इमारत में
अब उल्लू
बोलेंगे!

कोई नहीं
बचेगा!



इमारत पर रह-रह कर बिजली
गिरने लगी-



(उधर सब लोगों ने भागते हुए चर्च में प्रवेश किया—)

फादर!

फादर,
हेल्प,
अस

?

विलियम और एण्डी का पीछा
करते जान व नीलोफर चर्च के
गेट पर ही रुक गए-

भीतर-

भटकती कहों
को मैं मुक्ति
दूंगा।

रबून..

ये भटकती
आत्माएँ हैं
चर्च व मन्दिर,
मस्जिद जैसी पवित्र
जगहों में ये नहीं
धुस सकती।

तभी
एक चीख
से वातावरण
गूँज उठा-

फादर लगता
है कोई स्टूडेंट
यहाँ पहुँचने
से चूक गया
है।

वह देखिये
फादर

बचाओ

और दोनों ड्रैक्युला
ने उसे घेर लिया है।

इससे पहले कि दोनों
पिशाच उस बच्चे पर
दूट पड़ते -

ठहरो। रुक
जाओ। अगर
तुमने उस बच्चे
को कोई नुकसान
पहुँचाया तो
मैं तुम्हें भस्म
कर दूंगा।



कादर ने मन ही मन कुछ
पढ़ते हुए जीसस क्राइस्ट
की मूर्ति को ऊपर कर दिया-



हमारी खून की व्यास
भड़क उठी है कादर।
हमें इसका खून पी
लेने दो।



दोनों ने अपने मुकीले दांत बच्चे
की गर्दन की ओर बढ़ाए-

जीसस की पवित्र मूर्ति की छाया
दोनों पर पड़ी-



बताओ कौन हो
तुम?



हमें छोड़ दो,
स्वतन्त्र कर दो।
आह!



जब तक तुम ये नहीं
बताओगे कि तुम कौन हो,
मैं तुम्हें इस पवित्र क्राइस्ट
की परछाई से स्वतन्त्र
नहीं करूँगा।



जान के मुँह से घरघराती
हुई आवाज निकली-



मैं जान
हूँ। ये मेरी पत्नी
नीलोफर... डा. ने
जिसे खत्म किया
वह हमारा पुत्र
एंथोनी था...

हम कुछ दिन पूर्व एक
कार एक्सीडेंट में
मरने के बाद से ही
भटक रहे हैं।



हमें
छोड़ दो।
हमारी व्यास
बुझने दो
आह!

मैं तुम्हें स्वतंत्र
कर दूँगा।



हे जीसस क्राइस्ट।
इन्हें मुक्ति दो। इन्हें
मुक्ति दो प्रभु।

अचानक काइसर की पवित्र मूर्ति की आंखों से तेज किरण निकली

किरणें जान व नीलोफर से टकरा गईं—



जोर से बिजली कड़की—

देखते ही देखते तेज-धीरों के साथ दोनों के जिस्म धुँए बन कर...

वातावरण एकाएक ही शांत हो उठा—



...हवा में छुल गए।

जाओ डा. विलियम अब कोई खतरा नहीं रहा।

ओह! ड्रेक्युला की तबाही हो चुकी है।



'द-चाइल्ड' की इमारत को गरममत के पड़्यात पुनः पहले जैसा स्वरूप दे दिया गया। ड्रेक्युला फैमिली की तबाही के साथ ही अब वहाँ से मनहूसियत का साया सदा के लिए उठ-चुका था।



तुलसी कॉमिक्स

के आगामी छः नये कॉमिक्स

जम्बू तौसी और अंगारा
अब एक सैट में



खोपड़ी की प्रलय



हीरो जड़ा हार



तकदीर का तमाशा